48वीं अखिल भारतीय पुलिस विज्ञान कॉन्ग्रेस

चर्चा में क्यों?

22 अप्रैल, 2022 को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भोपाल में 48वीं अखिल भारतीय पुलिस विज्ञान कॉन्ग्रेस के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया।

प्रमुख बिंदु

- केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा कि अखिल भारतीय पुलिस विज्ञान कॉन्ग्रेस का देश की पुलिस व्यवस्था में दो नज़रिये से महत्त्वपूर्ण योगदान है।
- पहला समान चुनौतियों से निपटने के लिये देश भर की पुलिस के बीच तालमेल और दूसरा अपराधियों से दो कदम आगे रहने के लिये तकनीक का इस्तेमाल होगा।
- पुलिस विज्ञान कॉन्ग्रेस एक सामान्य रणनीति और तालमेल पर चर्चा करने और काम करने के लिये आदर्श मंच है, जिसकी बैठकें बीपीआरएंडडी **(BPR&D)** के तत्त्वावधान में आयोजित की जाती है।
- उन्होंने कहा कि पुलिस विभागों में 10 वर्षीय पुलिस रणनीति और वार्षिक समीक्षा की प्रथा को संस्थागत बनाया जाना चाहिये, क्योंकि अब ऐसे अपराध हो रहे हैं, जिनके विरुद्ध पुलिस के आधुनिकीकरण, प्रशिक्षण, राज्यों में पुलिस के बीच समन्वय, राज्य के बाहर पुलिस के बीच समन्वय और प्रौद्योगिकी को आत्मसात् किये बिना लड़ना संभव नहीं है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/48th-all-india-police-science-congress